सार्वजनिक स्वास्थ्य में ज्योतिष की भूमिका

ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

इस प्रकार निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य केवल दवाओं और डॉक्टरों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज की चेतना, व्यवहार, मनोभावना, और संस्कृति की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. ज्योतिष, इसी सांस्कृतिक और व्यवहारिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है. यह न केवल व्यक्ति के लिए, बल्कि पूरे समुदाय के लिए एक मनोवैज्ञानिक ऊर्जा, दिशा, और व्यवस्था का कार्य करता है, जो अंततः सार्वजनिक स्वास्थ्य की संकल्पना को सशक्त बनाता है.

ज्योतिष केवल व्यक्तिगत भविष्यवाणी या निजी भाग्य विश्लेषण की विद्या नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक और बहुआयामी ज्ञान प्रणाली है, जिसकी जड़ें गहराई से भारतीय सांस्कृतिक, दार्शनिक और औषधीय परंपराओं में समाहित हैं. जब हम सार्वजनिक स्वास्थ्य की बात करते हैं, तो यह केवल रोगों की चिकित्सा नहीं, बल्कि रोगों की रोकथाम, समुदायिक जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय अनुकूलन और सामाजिक जीवन की समग्र गुणवत्ता को भी सम्मिलित करता है. इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में ज्योतिष की भूमिका को समझना अत्यंत आवश्यक है.

प्राचीन भारतीय समाज में स्वास्थ्य के निर्धारण में प्राकृतिक और खगोलीय शक्तियों को अत्यंत महत्त्व दिया गया. ऋतुओं के परिवर्तन, ग्रहों की स्थिति, नक्षत्रों की चाल, चंद्रमा की कलाएं, और सूर्य की गति — ये सभी तत्व मानव शरीर, मानस और व्यवहार को प्रभावित करते हैं, यह अवधारणा वेदों और आयुर्वेद में स्पष्ट रूप से उल्लिखित है. उदाहरण के लिए, यह माना गया कि विशेष ग्रहों की अशुभ स्थितियाँ व्यक्ति की शारीरिक रोगप्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे महामारी या व्यक्तिगत रोग उत्पन्न हो सकते हैं. इस विश्वास के आधार पर, प्राचीन समय में राज्यस्तरीय जनस्वास्थ्य निर्णय, जैसे तीर्थयात्राओं का समय, खेती का समय, या युद्ध की योजना, भी ज्योतिष के परामर्श से लिए जाते थे.

ज्योतिषशास्त्र में वर्णित मुहूर्त विज्ञान का एक विशिष्ट योगदान सार्वजनिक स्वास्थ्य में यह रहा है कि इससे रोगों की रोकथाम हेतु उपयुक्त समय निर्धारण किया जाता था. नवजात शिशु का नामकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, विद्यारंभ, विवाह या अन्य संस्कारों की तिथि केवल व्यक्तिगत जीवन के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की ऊर्जा और स्वास्थ्य संतुलन बनाए रखने हेतु निर्धारित की जाती थी. इसे आज के संदर्भ में एक प्रकार का सामूहिक मनोवैज्ञानिक समायोजन और सामाजिक अनुशासन कहा जा सकता है, जो सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित रखने में सहायक होता था.

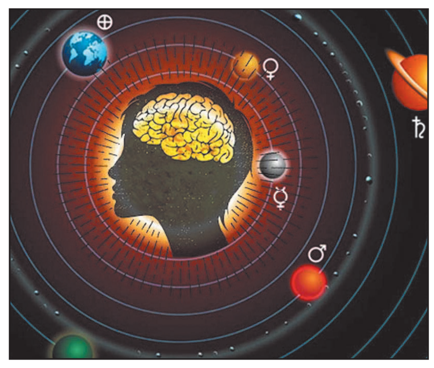

इसके अतिरिक्त, ज्योतिष मनोदैहिक स्वास्थ्य का भी एक सशक्त माध्यम रहा है. जब कोई व्यक्ति असाध्य रोग, मानसिक तनाव, भय या अनिश्चितता से ग्रसित होता है, तब उसे ज्योतिषीय सलाह से एक प्रकार का सांत्वना और मार्गदर्शन प्राप्त होता है. यह प्रक्रिया व्यक्ति के मानसिक संतुलन को पुनर्स्थापित करने, चिंता कम करने और आशा को पुनर्जीवित करने में सहयोगी होती है. ग्रामीण क्षेत्रों और परंपरागत समाजों में जहां आधुनिक मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रायः अनुपलब्ध होती हैं, वहां ज्योतिष एक सामाजिक मनोचिकित्सक की भांति कार्य करता है.

सार्वजनिक स्वास्थ्य के व्यापक उद्देश्य, जैसे रोगों की रोकथाम, जनजागरूकता और स्वास्थ्य संबंधी आचरण में परिवर्तन, ज्योतिष द्वारा सांस्कृतिक रूप से सशक्त माध्यम से प्रभावित हो सकते हैं. जब कोई ज्योतिषाचार्य विशेष ग्रह योग के आधार पर किसी रोग के आने की संभावना व्यक्त करता है, तो समुदाय सतर्क हो जाता है, खानपान में सुधार करता है, नियमों का पालन करता है और आध्यात्मिक उपायों को अपनाता है. यद्यपि ये सभी उपाय वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रमाणित नहीं हो सकते, परंतु उनका सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव निर्विवाद है.

इसके साथ ही, सार्वजनिक स्वास्थ्य के एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पक्ष—अनुकूल वातावरण निर्माण—में भी ज्योतिष की भूमिका देखी जाती है. वास्तु शास्त्र और दिशा संबंधी सिद्धांतों के माध्यम से भवनों, अस्पतालों, आश्रमों और स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण में सामंजस्य, ऊर्जा प्रवाह और प्राकृतिक तत्वों का संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया जाता है. यह विचार प्रणाली इस अवधारणा पर आधारित है कि स्थान की ऊर्जा भी मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करती है. वर्तमान युग में जब स्वास्थ्य को केवल शारीरिक अवस्था नहीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के समुच्चय के रूप में देखा जा रहा है, तब इस प्रकार की पारंपरिक अवधारणाएं अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाती हैं.

ज्योतिष का एक और योगदान यह है कि यह व्यक्ति के जन्मकालीन ग्रहस्थितियों के आधार पर उसके जीवनकाल में संभावित रोगों, स्वास्थ्य संकटों और कमजोर अंगों के संकेत प्रदान करता है. इसे 'आरोग्य ज्योतिष' कहा जाता है. इस पद्धति के अनुसार, जन्मपत्रिका में छठा भाव, आठवां भाव, बारहवां भाव, और इनसे संबंधित ग्रहों की स्थिति, व्यक्ति के रोगों और उनके समय का पूर्वानुमान देने में सहायक होती है. यदि इसका उपयोग चिकित्सकीय दृष्टिकोण से विवेकपूर्वक किया जाए, तो यह स्वास्थ्य योजनाओं की व्यक्तिगत अनुकूलता में योगदान कर सकता है.

सार्वजनिक स्वास्थ्य की एक अन्य मूलभूत विशेषता है प्रारंभिक हस्तक्षेप और जागरूकता. ज्योतिष द्वारा जब किसी समुदाय विशेष में किसी विशिष्ट ग्रह गोचर के कारण महामारी, जल संकट, शिशु मृत्यु दर में वृद्धि या अन्य संकट की चेतावनी दी जाती है, तब समुदाय समय रहते संगठित होकर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुधारने, यज्ञ, होम, व्रत, स्वच्छता, और पौधारोपण जैसे उपायों को अपनाता है. यह एक प्रकार की जनसंपृक्ति है, जो परंपरागत चेतना के माध्यम से होती है.

आज के आधुनिक संदर्भ में जबकि बायोमेडिकल मॉडल प्रभावी है, तब भी पारंपरिक एवं पूरक स्वास्थ्य प्रणालियों की उपस्थिति और प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता. खासकर भारत जैसे देश में जहां संस्कृति, श्रद्धा, और परंपरा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में रची-बसी है, वहां ज्योतिष एक सहायक, मानसिक संबल प्रदान करने वाला, और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य माध्यम बनकर सार्वजनिक स्वास्थ्य को सहयोग प्रदान कर सकता है.

पैसा गिनते थक जायेगा हाथ!

बस सही दिन और सही दिशा में लगाएं ये चमत्कारी प्लांट

देशभर में लोग अपने घर-ऑफिस में समृद्धि और खुशहाली लाने के लिए वास्तु शास्त्र का सहारा लेते हैं. इसी कड़ी में क्रासुला प्लांट, जिसे आम भाषा में मनी प्लांट या मनी ट्री कहा जाता है, का चलन तेजी से बढ़ रहा है. माना जाता है कि यह पौधा आर्थिक स्थिति सुधारने और धन-संपत्ति बढ़ाने में मदद करता है.

क्रासुला प्लांट और उसकी महत्ता- क्रासुला प्लांट के मोटे-थोड़े, सिक्के जैसे पत्ते धन और समृद्धि का प्रतीक हैं. यह पौधा अपने आप में सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत होता है और घर या ऑफिस में लगाने से वास्तु दोष दूर होते हैं. इससे नकारात्मक ऊर्जा कम होती है और जीवन में खुशहाली आती है.

सही दिन और समय- क्रासुला प्लांट लगाने के लिए सोमवार और शुक्रवार सबसे शुभ माने जाते हैं. खासकर अमावस्या या पूर्णिमा के दिन पौधा लगाना बेहद फायदेमंद होता है. इससे पौधे की वृद्धि तेज होती है और यह धन-संपत्ति की वृद्धि में मदद करता है.

क्रासुला प्लांट की सही दिशा- किसी भी घर या कार्यस्थल में क्रासुला प्लांट को उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना चाहिए. वास्तु के अनुसार, उत्तर दिशा को धन के देवता कुबेर की दिशा माना गया है, इसलिए यहां पौधा लगाने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है.

देखभाल के सरल उपाय

पौधे को नियमित पानी दें, लेकिन ज्यादा पानी न डालें क्योंकि क्रासुला प्लांट सूखे में ज्यादा अच्छी तरह बढ़ता है. इसे पर्याप्त धूप मिलनी चाहिए, लेकिन तेज़ धूप से बचाएं. पौधे के आसपास सफाई रखें और समय-समय पर उसे पोषण भी दें.

कृष्ण जन्माष्टमी से पहले जरूर लाएं ये शुभ चीजें

जीवन में आएगी सुख-संपन्नता

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर वर्ष देशभर में बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है. यह दिन भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की स्मृति में विशेष रूप से मनाया जाता है, जब भक्तगण व्रत रखते हैं, झांकियां सजाते हैं, मंदिरों में भजन-कीर्तन होते हैं और रात्रि 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म की पूजा कर उनका स्वागत किया जाता है. हर कोना भक्ति और प्रेम के रंग में रंग जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जन्माष्टमी से पहले कुछ खास और पवित्र चीजों को घर लाना बहुत शुभ माना जाता है. ऐसा करने से न केवल भगवान कृष्ण की कृपा प्राप्त होती है, बल्कि घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास भी होता है. यदि आप भी जन्माष्टमी को खास और शुभ बनाना चाहते हैं, तो इन वस्तुओं को पहले से घर लाकर तैयारियां शुरू कर सकते हैं.

लड्डू गोपाल की बाल स्वरूप मूर्ति

भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की एक सुंदर मूर्ति को जन्माष्टमी से पहले घर लाना बहुत शुभ माना जाता है. इसे घर के मंदिर में स्थापित कर अगर विधि-विधान से पूजा की जाए, तो घर में सुख, शांति सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है.

बांसुरी

कृष्ण भगवान की पहचान उनकी प्रिय बांसुरी से भी होती है. जन्माष्टमी से पहले एक सुंदर बांसुरी घर लाकर पूजा स्थान पर रखना अत्यंत शुभ माना गया है. इससे न केवल मन को शांति मिलती है बल्कि घर में भी सकारात्मकता और मधुरता बनी रहती है. चांदी या पीतल की बांसुरी विशेष शुभ मानी जाती है.

मोर पंख

मोर पंख श्रीकृष्ण के मुकुट का हिस्सा होता है और उन्हें अत्यंत प्रिय है. इसे घर में लाकर पूजा स्थल या मुख्य द्वार पर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर का वास्तु दोष भी समाप्त होता है.

गाय और बछड़े की मूर्ति

कृष्ण जी का गहरा संबंध गायों से रहा है. जन्माष्टमी के अवसर पर गाय और बछड़े की मूर्ति लाना शुभ संकेत माना जाता है. इसे घर में रखने से समृद्धि आती है और संतान सुख की प्राप्ति का मार्ग खुलता है. धातु की मूर्ति पूजा स्थान पर रखना श्रेष्ठ होता है.

माखन-मिश्री

माखन और मिश्री श्रीकृष्ण को अत्यंत प्रिय हैं. जन्माष्टमी से पहले इन्हें घर में लाकर भोग की तैयारी करनी चाहिए. यह प्रेम, मिठास और भक्ति का प्रतीक माना जाता है. पूजा में इसका उपयोग करने से भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है.

तुलसी का पौधा

तुलसी बिना श्रीकृष्ण की पूजा अधूरी मानी जाती है. इस पर्व से पहले तुलसी का नया पौधा लगाना या पुराने पौधे की सेवा करना पुण्यदायी होता है. तुलसी की पत्तियों के बिना श्रीकृष्ण को भोग भी नहीं लगाया जाता.

वैजयंती माला

वैजयंती माला भगवान कृष्ण के गले का एक अहम आभूषण मानी जाती है. इसे घर लाकर कान्हा जी को पहनाने से धन और समृद्धि की वृद्धि होती है. ऐसी मान्यता है कि इसे धारण करने या पूजा में उपयोग करने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है.

पीले वस्त्र

भगवान श्रीकृष्ण को पीला रंग अत्यंत प्रिय है. जन्माष्टमी से पहले घर में पीले वस्त्र जैसे कि पर्दे, चादरें या पूजा की पोशाक लाना शुभ माना जाता है. इससे मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है और घर में आर्थिक समृद्धि आती है.

बिजनेस ग्रोथ में आ रही रुकावट सुधारें ऊर्जा का प्रवाह, बढ़ेगा मुनाफा

हर दिशा का अपना एक विशेष महत्व होता है, और ऊर्जा का प्रवाह सही दिशा में न हो तो उसका प्रभाव आपके जीवन और व्यवसाय दोनों पर पड़ता है. व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए दक्षिण-पूर्व दिशा को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना गया है. इसे आग्नेय कोण कहा जाता है और यह दिशा धन, ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है.

कई बार व्यक्ति पूरे समर्पण और मेहनत के साथ व्यापार करता है, फिर भी सफलता उसके हाथ नहीं लगती. ग्राहक आते हैं लेकिन खरीदारी नहीं करते. कुछ उधार लेकर चले जाते हैं और समय पर पेमेंट नहीं करते. धीरे-धीरे व्यापार में घाटा बढ़ने लगता है, और मानसिक तनाव भी. अगर आप भी ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो हो सकता है कि समस्या आपके व्यापार स्थल की ऊर्जा व्यवस्था यानी वास्तु में हो. हर दिशा का अपना एक विशेष महत्व होता है, और ऊर्जा का प्रवाह सही दिशा में न हो तो उसका प्रभाव आपके जीवन और व्यवसाय दोनों पर पड़ता है. व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए दक्षिण-पूर्व दिशा को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना गया है. इसे आग्नेय कोण कहा जाता है और यह दिशा धन, ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है. यदि इस दिशा में नकारात्मक ऊर्जा एकत्र हो जाए या वहां गड़बड़ी हो, तो इसका सीधा असर आपके कैश फ्लो, कस्टमर की संख्या और लाभ पर देखने को मिलता है.

लाल घोड़े और दौड़ती ऊर्जा का महत्व- वास्तु शास्त्र में लाल रंग को ऊर्जा, आत्मबल और प्रगति से जोड़ा गया है. दौड़ते हुए लाल घोड़ों की तस्वीर इस ऊर्जा को गति प्रदान करती है. व्यापारिक स्थल के आग्नेय कोण में लाल घोड़ों की एक सुंदर तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है. यह न सिर्फ पैसों की रुकावट को दूर करता है, बल्कि व्यवसाय में नए अवसरों के द्वार भी खोलता है. जब ऊर्जा का प्रवाह सुचारु हो जाता है तो पुराने उधार भी वापस मिलने लगते हैं और व्यापार में स्थिरता आने लगती है.

सकारात्मक रंग और वातावरण का प्रभाव- यदि आप अपने ऑफिस या दुकान में दीवारों पर कोई परिवर्तन करना चाहते हैं, तो दक्षिण-पूर्व दिशा की दीवार पर लाल या नारंगी रंग करना अत्यंत लाभकारी होता है. ये रंग उत्साह, गर्मजोशी और सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक माने जाते हैं. यदि पेंट करना संभव न हो, तो इस दिशा में इसी रंग के पर्दे, कुशन या सजावटी वस्तुएं रखकर भी संतुलन स्थापित किया जा सकता है. जब कार्यस्थल पर रंग, प्रकाश और ऊर्जा संतुलित हो जाती है, तो उसका सीधा असर आपके कर्मचारियों, ग्राहकों और पूरे माहौल पर पड़ता है.

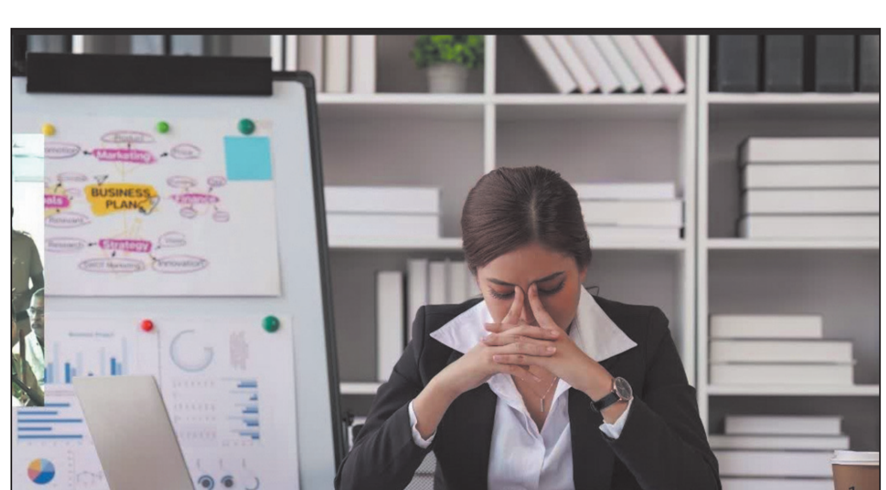

नकारात्मक ऊर्जा को हटाएं, सकारात्मकता को बुलाएं- किसी भी व्यापारिक स्थल पर सफाई और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए, विशेषकर आग्नेय दिशा का. यहां जूते, कबाड़ या बेकार की वस्तुएं रखने से नकारात्मक ऊर्जा एकत्र होती है, जो आर्थिक रूप से नुकसानदायक हो सकती है. सुबह-शाम धूप-दीप जलाने, शुभ संगीत बजाने और नियमित साफ-सफाई से आप अपने कार्यस्थल की ऊर्जा को सकारात्मक बनाए रख सकते हैं.

समृद्धि के लिए वास्तु कलश की स्थापना

वास्तु शास्त्र में कलश को समृद्धि और स्थायित्व का प्रतीक माना गया है. यदि आपके व्यापारिक स्थल के आग्नेय कोण में वास्तु कलश स्थापित किया जाए, तो यह धन की आवक को बढ़ाता है. कलश को शुभ सामग्री से भरकर उसमें सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित किया जाता है. यह उपाय विशेष रूप से उन व्यापारियों के लिए उपयोगी है, जिन्हें लंबे समय से उधारी, घाटे या पैसों के ठहराव की समस्या का सामना करना पड़ रहा हो.

राशिफल

दिनांक- 10 से 16 अगस्त 2025 तक

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास,
कोतवाली बाजार,
जबलपुर मो.नं. 098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य कर्क राशि में, मंगल कन्या राशि में, वक्री बुध कर्क राशि में, ता. 11 को 7.4 रात से मार्गी, गुरू मिथुन राशि में, शुक्र मिथुन राशि में, वक्री शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा कुम्भ मीन मेष और वृषभ राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव:- ता. 13 मंगल हस्त नक्षत्र में प्रवेश करता है जिसके प्रभाव से अनाज और व्यापारिक वस्तुओं में तेजी होगी. रूई, सोना, चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी का योग है, सरसों, मूंगफली, घी में भी मंदी दिखते हुये तेजी का योग बनेगा आगे भी तेजी का वातावरण बनेगा, वायदा व्यापारी सावधानी से कार्य करें, शेयर बाजार मंदा रहेगा.

पर्व-व्रत-त्यौहार :

सोमवार	11 अगस्त को	अशून्य शयन व्रत, महाकाल सवारी उज्जैन
मंगलवार	12 अगस्त को	कज्जली तीज, सतवा तीज, बहुला चतुर्थी व्रत, संकष्टी चतुर्थी व्रत
बुधवार	13 अगस्त को	गोगा पंचमी, भाई भिन्ना,
गुरूवार	14 अगस्त को	हलषष्ठी हरछठ, बलदाऊ जयंती,
शनिवार	16 अगस्त को	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, कृष्णावतार, गोकुला अष्टमी

मेष

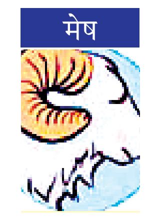

सप्ताह आपका काफी उतार चढ़ाव वाला रहेगा, कार्य की व्यस्तता रहेगी,अधिकारियों से तालमेल बनाकर आगे बढ़े, सामाजिक क्षेत्रमें सक्रियता बढ़ेगी, व्यापार में कुछ नये साझेदारों को शामिल करने की कोशिश होगी, किसी करीबी मित्र अथवा रिश्तेदार का सहयोग मिलेगा, सप्ताहान्त में अति विश्वास आपको संकट में डाल सकता है.

वृषभ

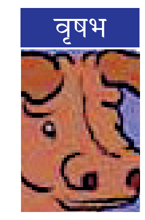

इस सप्ताह सामाजिक कार्यो में बढ़चढ़कर हिस्सा लेंगे, जिस कार्यमें आप हाथ डालेंगे, सफलता मिलेगी,वित्तीय स्थिति पहले से बेहतर होगी, परन्तु आप अवसरों को गंवा सकते हैं, कैरियर और सामाजिक स्थिति में सुधार होगा, नये वाहन की योजना बन सकती है, सप्ताहान्त में सोच समझकर और कार्यक्षमता के अनुरूप कार्य होगा.

मिथुन

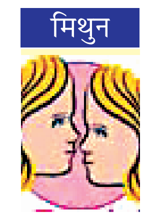

इस सप्ताह महत्वाकांक्षा बढ़ेगी, घरेलू मामलों में विपरीत स्थिति का सामना करना पड़ेगा, किसी पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी, सप्ताह के प्रारंभ में महत्व के कार्य करने की बजाय रोजमर्रा की दिनचर्या ही निभाने का प्रयास करें, व्यवसाय में आप किसी अपरिचित पर अत्याधिक विश्वास न करें, स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा, बच्चों के लिये कुछ हद तक परेशान रह सकते हैं.

कर्क

इस सप्ताह कार्यस्थल पर आपकी योग्यता और कार्य को उचित मान प्रतिष्ठा सम्मान मिलेगा, अपनी बात मनवाने के लिये संघर्ष करना पड़ेगा, यह सप्ताह कैरियर की दृष्टि से मनोवांछित साबित होगा, आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी, दाम्पत्य जीवन सुख समृद्धि का भाव कायम रहेगा, कारोबार में ईमानदारी से ध्यान दें, भौतिक सुख साधनों में रूचि बढ़ेगी, विरोधियों से सतर्क रहें.

सिंह

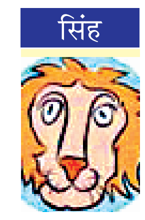

इस सप्ताह व्यापारिक और कैरियर की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा, विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में व्यस्त रहेंगे, बच्चों की भावनाओं का ध्यान रखें, सप्ताह के मध्य महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ेगा, किसी करीबी मित्र के साथ दूर दमीन की यात्रा पर जा सकते हैं, यात्रा के दौरान अनावश्यक खर्च से बचें, पुराना पैसा मिलने का योग है.

कन्या

इस सप्ताह प्रगति की दिशा में आगे बढ़ेगे,अपनी योग्यता और सामर्थ्य का उपयोग सफलता पाने के लिये करेंगे, आपके व्यवहार और सोच में व्यापक बदलाव आ सकता है, जमिथुन जायजाद की खरीदी बिक्री और ऋण के लेनदेन से लाभ होगा, मीननेता अपने हित की रक्षा के लिये प्रयास करेंगे, जीवनसाथी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, गुमी वस्तु मिलने का योग है.

तुला

कार्यक्षेत्र में कैरियर में बड़ी सफलता मिलेगी, व्यवसायिक साझेदारों में सावधानी रखें, महत्पूर्ण निर्णय होंगे, जीवनसाथी का सहयोग कार्यक्षेत्र में नईसंभावनायें देता है, नईसोच व कार्यशैली लाभकारी सिद्ध होगी, मांगलिक कार्यो पर विचारहोगा, कामकाजी महिलाओं को परेशानी हो सकती है. आपसी मामले सावधानी से हल करें.

वृश्चिक

इस सप्ताह अच्छी तरह सोच विचार कर ही अपनी प्राथमिकतायें तय करेंगे, परस्पर विचारों का आदान प्रदान करने से अच्छी बात बन सकती है, अतिरिक्त जिम्मेदारियों का बोझ उठाना पड़ेगा, विशिष्टजनों से आपकी प्रशंसा होगी, भूमि भवन घर खरीदी बिक्री फायदेमंद रहेंगे, सामाजिक सक्रियता बढ़ेगी, व्यापार एवं मीनकीय कारणों से की गई यात्रा मे बेहतर परिणाम होंगे.

धनु

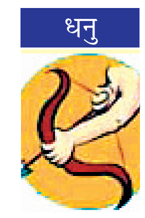

साझेदारों के साथ व्यक्तिगत संबंध भी मजबूत होंगे, काननी मामले में एवं प्रापर्टी संबंधी विवाद आसानी से सुलझ सकते हैं, जान पहचान का दायरा बढ़ेगा, नौकरी पेशा व्यक्तियों की पदोन्नति संभव है, कार्यक्षेत्र में आप संतुष्ट रहेंगे, अपने स्वास्थ्यपर विशेष ध्यान दें, घर में मांगलिक कार्य की योजना बनेगी, बुजुर्गो के स्वास्थ्य पर ध्यान दें.

मकर

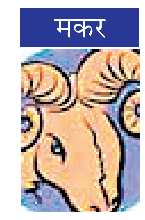

इस सप्ताह सोच समझकर ही आप आगे बढ़ना चाहेंगे, आप पूरे होश एवं जोश के साथ कार्य में जुट जायेंगे, भविष्य में लाभ की योजनाओं की शुरूआत हो सकती है, अनुसंधान एवं कला के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, उच्च पदस्थ लोगों के साथ सामूहिक कार्य में भाग लेंगे, जीवनसाथी और बच्चों को आपसे अपेक्षाएं बढ़ सकती हैं, सौहार्द्रपूर्ण माहौल रहेगा, नये संबंध बनेंगे.

कुम्भ

अपने मन में चल रहे अन्तर्द्वंद को दूर कर कार्य में जुट जाने का समय है, वरिष्ठों का सहयोग बना रहेगा, अपने स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिति पर अत्याधिक खर्च करेंगे, व्यवसाय में किसी करीबी मित्र को साझेदार बना सकते हैं, सप्ताह के अंतिम समय स्वास्थ्य में गिरावट की संभावना है, व्यवसाय के क्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहें, श्रम उतना करें, जितना शरीर साथ दे.

मीन

इस सप्ताह व्यापार यात्राऔर धार्मिक कार्यो में आपकी रूचि बढ़ेगी, सफलता की ओर कदम बढ़ेंगे, कार्य पूर्ण करने में सहयोगी का रवैया आपके प्रति सहयोगात्मक रहेगा, जानपहचान का दायरा बढ़ेगा, आप किसी बडी योजना में शामिल हो सकते हैं, परन्तु यह आपकी कार्यक्षमता केअनुकूल नहीं होगा, आपको कड़ी मेहनत और योजनाबद्ध तरीके से सफलता मिलेगी.